

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME  
(BDP PHILOSOPHY)**

**Term-End Examination**

**December, 2016**

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY**

**BPY-010 : EPISTEMOLOGY**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

- 
- Note :**
- (i) *Answer all five questions.*
  - (ii) *All questions carry equal marks.*
  - (iii) *Answers to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
- 

1. Evaluate the contributions of Descartes and John Locke to Epistemology. 20

**OR**

What is 'Pramana' ? Explain 'Sabda' (testimony) as a valid source of knowledge. 20

2. How is knowledge defined as justified true belief ? Critically analyse. 20

**OR**

Explain the nature and possibility of knowledge as in Foundationalism and Coherentism. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200 words** each :
- (a) Is Upamana (analogy) a valid source of knowledge ? Explain. 10
  - (b) Discuss the role of subject-object relationship in obtaining knowledge. 10
  - (c) Distinguish between Nominalism (Universals as mere names) and conceptualism (Universals existing only in mind) 10
  - (d) Elaborate theory of erroneous perception (Khyativada). 10
4. Answer **any four** of the following in about **150 words** each :
- (a) What is certitude of knowledge ? 5
  - (b) How do you understand 'hermeneutics' in understanding the world ? 5
  - (c) Differentiate Rationalism from Empiricism. 5
  - (d) What do you understand by feminist Epistemology ? 5
  - (e) What is 'Synthetic a priori' of Kant ? 5
  - (f) Describe Husserl's method of bracketing (epoche). 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100 words** each :
- (a) Phenomena 4
  - (b) Complex ideas 4
  - (c) Matter of fact and Relations of Ideas 4
  - (d) Interdependence of Epistemology and Metaphysics 4
  - (e) Doubt 4
  - (f) Idealism 4
  - (g) Pragmatic theory of truth 4
  - (h) Inference 4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
( बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र )  
सत्रांत परीक्षा  
दिसम्बर, 2016

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र  
बी.पी.वाई.-010 : ज्ञानमीमांसा

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. ज्ञानमीमांसा में देकार्त तथा लॉक के योगदानों का मूल्यांकन करें। 20

अथवा

'प्रमाण' क्या है? ज्ञान के वैध स्रोत के रूप में शब्द प्रमाण की व्याख्या कीजिए। 20

2. प्रमाणित सत्य विश्वास के रूप में ज्ञान कैसे परिभाषित होता है? आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। 20

अथवा

आधारभूतवाद तथा संसक्ततावाद (Coherentism) के अनुसार ज्ञान की प्रकृति एवं सम्भावना की व्याख्या करें। 20

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

(a) क्या उपमान ज्ञान का एक वैध स्रोत है? व्याख्या करें। 10

- (b) ज्ञान-प्राप्ति में विषयी-विषय सम्बंध की भूमिका का वर्णन कीजिए। 10
- (c) नामवाद ( सामान्य नाममात्र है) और संप्रत्ययवाद ( सामान्य केवल मन की देन है) के मध्य अन्तर करें। 10
- (d) भ्रामक प्रत्यक्ष (ख्यातिवाद) के सिद्धांत को स्पष्ट करें। 10
4. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।
- (a) ज्ञान की निश्चितता से क्या तात्पर्य है? 5
- (b) विश्व को समझने के संदर्भ में शास्त्रार्थमीमांसा से आप क्या समझते हैं? 5
- (c) बुद्धिवाद एवं अनुभववाद में अन्तर कीजिए। 5
- (d) स्त्रीवादी ज्ञानमीमांसा से आप क्या समझते हैं? 5
- (e) कांट का 'संश्लेषणात्मक पूर्वानुभविक' क्या है? 5
- (f) हुसरल की कोष्ठीकरण (Bracketing) पद्धति का वर्णन कीजिए। 5
5. किन्हीं पाँच प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
- (a) आभास (Phenomenon) 4
- (b) जटिल प्रत्यय 4
- (c) वस्तु-तथ्य और प्रत्यय सम्बंध (Matter of fact and Relations of Ideas) 4
- (d) ज्ञानमीमांसा और तत्वमीमांसा का अन्तर-सम्बंध 4
- (e) सन्देह 4
- (f) प्रत्ययवाद 4
- (g) सत्य का उपयोगितावादी सिद्धान्त 4
- (h) अनुमान 4